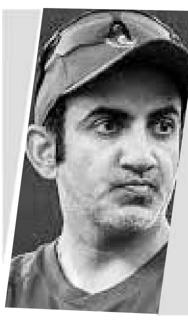

गौतम गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम व्हाइट बॉल क्रिकेट में तो अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन टेस्ट मैचों में नतीजे अच्छे नहीं आए हैं। भारतीय टीम न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने घर पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी। - गौतम गंभीर

गंभीर की जगह वीवीएस लक्ष्मण बनेंगे टेस्ट टीम के हेड कोच?

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नवजोत सिंह सिद्धू

पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये अपने इमोशन का इजहार किया। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि कोहली टेस्ट क्रिकेट में लौटें। सिद्धू ने नए साल के लिए भगवान से ये विश भी मांगी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, अगर भगवान मुझे एक वरदान देते, तो मैं कहता कि कोहली को संन्यास से वापस लाकर टेस्ट क्रिकेट खिलाओ। 1.5 बिलियन की आबादी वाले देश के लिए इससे ज्यादा खुशी और उत्साह की बात और क्या हो सकती है। उनकी फिटनेस 20 साल के लड़के जैसी है। वो खुद 24 कैरेट गोल्ड के समान हैं।

क्या आप जानते हैं ?... मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकार्ड है जिनमे सचिन ने 463 वनडे में 18426 रन बनाए है।

एशिया कप जीत भारतीय हॉकी में सबसे बड़ी उपलब्धि, दर्शकों में 48 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। वर्ष 2025 भारतीय हॉकी के लिए मिला-जुला रहा, साल की शुरुआत अच्छी रही, सात साल के अंतराल के बाद जनवरी में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की वापसी हुई, इसमें मुख्य आकर्षण रहा चार फ्रैंचाइजी वाली महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की शुरुआत। इस लीग को टीवी और ऑनलाइन पर अनुमानन चार करोड़ आठ लाख दर्शक मिले जो 2017 सीजन की तुलना में 48 प्रतिशत अधिक है। एशिया कप का खिताब जीतना भारतीय हॉकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

साल का सबसे बड़ा पल साफ तौर पर राजगीर में भारतीय पुरुष टीम की एशिया कप 2025 जीत थी। यह भारत की चौथी एशिया कप जीत थी, इससे पहले वे 2003, 2007, 2017 में चैंपियन बन चुके हैं। इस टूर्नामेंट में सिर्फ दक्षिण कोरिया ही ज़्यादा सफल रहा है, जिसने इसे पांच बार जीता है। कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में जीत का मतलब यह भी था कि भारत अगले साल अगस्त में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर गया, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड्स मिलकर करेंगे। एचआईएल 2025-26 सीजन का प्रसारण भी विभिन्न प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा, जिसमें दूरदर्शन स्पोर्ट्स, सोनी स्पोर्ट्स 3 (हिंदी) और सोनी स्पोर्ट्स 1 पर लाइव प्रसारण शामिल है। जबकि लाइव स्ट्रीमिंग प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म, एचआईएल यूट्यूब चैनल और वेब पर की जाएगी।

हालांकि, इस साल की छोटी नीलामी से पहले, यूपी रुद्र, टीम गोनासिका और महिला टीम ओडिशा वॉरियर्स (2024-25 सीजन की विजेता) सभी ने नाम वापस ले लिया। यूपी रुद्र ने अपने फैसले के पीछे वित्तीय अस्थिरता बताया है, जबकि टीम गोनासिका और ओडिशा वॉरियर्स ने नाम वापस लेने के लिए "निजी कारणों" का हवाला दिया।

रांची रॉयल्स लीग की सबसे नई फ्रैंचाइजी है, जो 2026 एचआईएल सीजन के लिए टीम गोनासिका (पुरुष) और ओडिशा वॉरियर्स (महिला) की जगह लेगी। आगामी सीजन में यूपी रुद्र की जगह लेने के लिए एचआईएल गवर्निंग काउंसिल टीम का गठन किया गया है। यह काम चलाऊ व्यवस्था की गई है, लेकिन जब तक लीग फ्रैंचाइजी मालिकों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं होगी, तब तक यह टिकाऊ नहीं होगी। हालांकि, नवंबर में मलेशिया में हुए 31वें सुल्तान अजलान शाह कप में भारत को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, वे बेल्जियम से 0-1 से हारकर दूसरे स्थान पर रहे। भारत ने सुल्तान अजलान शाह कप पांच बार जीता है- 1985, 1991, 1995, 2009, 2010, जबकि चार बार उपविजेता रहा- 2008, 2016, 2019, 2025। वे 10 बार के विजेता ऑस्ट्रेलिया के बाद इस प्रतियोगिता में दूसरी सबसे सफल टीम हैं।

मुख्य कोच क्रेग फल्टन की नजरें बड़ी तस्वीर पर हैं, क्योंकि उन्होंने सुल्तान अजलान शाह कप और दक्षिण अफ्रीका के छोटे दौरे का इस्तेमाल नए खिलाड़ियों को आजमाने और आने वाले वर्षों में होने वाले बड़े टूर्नामेंट्स को ध्यान में रखते हुए नई रणनीतियों के लिए किया। 2026 भारतीय हॉकी के लिए एक अहम साल होगा क्योंकि इस दौरान विश्व कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट खेले जाएंगे। इन टूर्नामेंट्स में सफलता देश में हॉकी को आगे बढ़ाएगी, जबकि खराब प्रदर्शन पेरिस ओलंपिक के बाद मिली सकारात्मक गति को खत्म कर देगा। सबसे बड़ी चिंता महिला राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को लेकर होगी - खराब नतीजों की एक श्रृंखला के बाद, टीम एफआईएच प्रो लीग से एफआईएच नेशंस लीग में डिमोट हो गई।

टीम महिला एशिया कप का फाइनल चीन से 1-4 से हार गई, जिससे बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले 2026 एफआईएच महिला विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफिकेशन से चूक गई। टीम को अब विश्व कप क्वालिफायर पर निर्भर रहना होगा, जो आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होंगे। इससे पहले दिसंबर में मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने लगभग 20 महीने के कार्यकाल के बाद भाई-भतीजावाद के आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया था। महिला टीम के पास एफआईएच के बाद विश्व कप क्वालिफायर आने तक नए कोच के तहत तैयारी करने के लिए बहुत कम समय होगा।

मैरी कॉम ने कंबाला को एक अनोखी खेल परम्परा बताया

मंगलुरु, 28 दिसंबर। ओलंपिक बॉक्सिंग लीजेंड मैरी कॉम ने रविवार को कंबाला को "एक अनोखी खेल परंपरा" बताते हुए मंगलुरु कंबाला के नौवें एडिशन में हिस्सा लिया, जिससे तटीय कर्नाटक की इस पारंपरिक भैंस दौड़ को राष्ट्रीय पहचान मिली। दक्षिण कन्नड़ के सांसद कैप्टन बृजेश चौटा के नेतृत्व में बंगराकुलुरु के गोल्डफिंच सिटी में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों दर्शक पहुंचे। लगभग 170 जोड़ी रेसिंग भैंसों ने अलग-अलग कैटेगरी में हिस्सा लिया, जिससे तुलुनाडु की सबसे महत्वपूर्ण स्वदेशी खेल परंपराओं में से एक के रूप में कंबाला की स्थिति और मजबूत हुई। सभा को संबोधित करते हुए, मैरी कॉम ने तुलु भाषा में क्षेत्र के लोगों का अभिवादन किया, और कहा "मंथेरेगला नमस्कार," जिस पर जोरदार तालियां बजीं। आयोजकों को निमंत्रण के लिए धन्यवाद देते हुए, उन्होंने कहा कि मणिपुर के एक छोटे से गांव से आने के कारण, उन्हें सामुदायिक जीवन से जुड़ी परंपराओं से गहरा जुड़ाव महसूस होता है। उन्होंने कहा कि कंबाला देश के किसी भी अन्य खेल से अलग है और आधुनिक चुनौतियों के बावजूद सदियों पुरानी परंपरा को बनाए रखने के लिए किसानों, भैंस मालिकों और प्रतिभागियों की प्रशंसा की। शाम को हुए औपचारिक उद्घाटन के दौरान, मैरी कॉम ने कंबाला उत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। कीचड़ वाला ट्रैक उत्साह का केंद्र बन गया क्योंकि कुशल जॉकी के मार्गदर्शन में भैंसों की जोड़ियों ने खेतों में दौड़ लगाई, जिससे दक्षिण कन्नड़, उडुपी और पड़ोसी क्षेत्रों के दर्शक रोमांचित हो गए। इससे पहले, कैप्टन चौटा ने मंगलुरु और तुलुनाडु के सांस्कृतिक और सभ्यतागत महत्व पर प्रकाश डाला, और इस क्षेत्र को सनातन संस्कृति का पालना बताया। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले के बारे में गलत सूचनाओं का मुकाबला करने की आवश्यकता पर जोर दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप "मंगलुरु 2.0" और "विकसित मंगलुरु" बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आ ह्वान किया। नौवें एडिशन की एक मुख्य बात 150 छात्राओं द्वारा सफेद कपड़े पहनकर वंदे मातरम का सामूहिक गायन था, जो इस देशभक्ति गीत के 150 साल पूरे होने का प्रतीक था और इसने कंबाला मैदान को राष्ट्रीय गौरव से भर दिया। इस कार्यक्रम में नई पहलें भी शामिल थीं।

सूर्या करिश्मा, ऋत्विक संजीवी ने जीते एकल खिताब

विजयवाड़ा, 28 दिसंबर। सूर्या करिश्मा तामिरी ने स्थानीय दर्शकों के जबरदस्त समर्थन के बीच तन्वी पात्री को हराकर जीत दर्ज की, जबकि ऋत्विक संजीवी एस ने भरत राघव को हराकर रविवार को सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में क्रमश: महिला और पुरुष एकल खिताब जीते। आज यहां खेले गये मैच 19 साल की सूर्या करिश्मा ने महिला एकल के फाइनल में तन्वी को 17-21, 21-12, 21-14 से हराया, जबकि ऋत्विक ने पुरुष एकल के फाइनल मुकाबले में भरत को 21-16, 22-20 से हराया।

तन्वी ने पहले गेम के बीच में ही मैच को नियंत्रित कर दिया और उस समय ऐसा लगा कि उसने अपनी विरोधी को इतना परेशान कर दिया था कि वह बिना वजह गलतियां करने लगी। दूसरे गेम में 6-5 पर ऐसी ही एक गलती हुई जब सूर्या करिश्मा ने सर्विस रिटर्न को नेट में मार दिया। लेकिन सर्विस जज ने इसे हाइट के लिए फॉल्ट करार दिया और इससे आखिरकार चैंपियन को राहत मिली। इसके बाद उसने लगातार सात पॉइंट जीतकर दूसरे गेम पर कंट्रोल कर लिया। निर्णायक गेम में, सूर्या करिश्मा ने शुरुआत में तन्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और युवा खिलाड़ी पर थकान दिखने लगी। हालांकि तन्वी ने अपनी विरोधी के साथ तालमेल बनाए रखने का प्रयास किया, लेकिन वह थक गई थी। सूर्या करिश्मा ने 15-14 से आगे लगातार छह अंक लेकर मैच खत्म कर दिया।

पुरुष एकल फाइनल में, ऋत्विक ने भरत राघव की चुनौती से पार पाने के लिए अपने बेहतर डिफेंस और धैर्य पर भरोसा किया। पहला गेम बिना किसी परेशानी के जीतने के बाद, ऋत्विक दूसरे गेम में दबाव में आ गए क्योंकि उनके विरोधी ने 9-5 की बढ़त बना ली थी। दो गलत फैसलों ने भरत को वापसी करने और गेम पॉइंट हासिल करने का मौका दिया। अपनी काबिलियत से, ऋत्विक ने अपना धैर्य बनाए रखा और अपनी गेम प्लान पर टिके रहे और 39 मिनट में मैच खत्म कर दिया।

शिखा गौतम और अश्विनी भट की अनुभवी जोड़ी ने महिला युगल का खिताब जीता। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त प्रिया देवी कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा को 21-14, 21-18 से हराया, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त हरिहरन अमसकरूणन और रूबन कुमार ने मिथिलेश पी कृष्णन और प्रेजन को 21-17, 21-12 से हराकर पुरुष युगल फाइनल जीता। इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त सात्विक रेड्डी के और राधिका शर्मा की जोड़ी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त आशिथ सूर्या और अमृता पी को 21-9, 21-15 से हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता।

अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी आज से, राजस्थान-बिहार का मैच

जयपुर 28 दिसंबर, राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई विजय हजारे टॉफी के दिन आज 29 दिसंबर को खेले जाने वाले मैच :- सवाई मान सिंह स्टेडियम हिमाचल - महाराष्ट्र के एल सैनी स्टेडियम गोवा - सिक्किम। जयपुरिया ग्राउंड मुंबई - छत्तीसगढ़, अनंतम ग्राउंड पंजाब - उत्तराखण्ड। विजय हजारे ट्रॉफी में कल राजस्थान का मुकाबला त्रिपुरा से अहमदाबाद में खेला जायेगा। अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में कल से राजस्थान - बिहार का मैच मध्य प्रदेश के मुरैना में खेला जायेगा। आरसीए सीनियरवीमेन चैलेंजर ट्रॉफी (सिद्धि शर्मा, ज्योति चौधरी, अर्चना चौधरी, चंद्रज्योत्सना, तनुजा वैष्णव, संगीता, कौशल्या चौधरी अंकिता, अनन्या, स्नेहा चमकी) टीम डी - टीम बी (टीम डी जीती), टीम डी पारी 154 आल आउट, टीम के लिए स्नेहा 49, आरजू 28, सिमरन 21 रन, टीम बी की गेंदबाज सिद्धि शर्मा 13/4, रिंकू, रितिका 2 - 2 विकेट, टीम बी पारी 92 आल आउट, टीम के लिए संगीता नाबाद 49 रन, टीम डी की गेंदबाज कौशल्या चौधरी 12/4, अनन्या वर्मा 19/3 विकेट। टीम ऐ - टीम सी (टीम सी जीती), टीम सी पारी 256/8, टीम के लिए ज्योति चौधरी 100, अर्चना सैनी 71 रन, टीम ऐ की गेंदबाज अंजलि, सोनम, चीनू प्रत्येक 2 - 2 विकेट, टीम ऐ पारी 249 आल आउट, टीम के लिए चंद्रज्योत्सना 95 व तनुजा वैष्णव 71 रन, टीम सी की गेंदबाज अंकिता 52/3 व अर्चना, मेघा 2 - 2 विकेट।

गजनफर, पोलार्ड की मदद से एमआई एमिरेट्स ने दूसरा स्थान पक्का किया

दुबई, 28 दिसंबर। एमआई एमिरेट्स ने 123 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए दुबई कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर आईएल टी 20 में दूसरा स्थान पक्का कर लिया। कैपिटल्स को पहले मुख्य रूप से एएम गजनफर के तीन विकेट (28 रन देकर 3 विकेट) की बदौलत रोका गया, जिसके बाद एमआई एमिरेट्स के टॉप-चार बल्लेबाजों ने यह सुनिश्चित किया कि रन चेज में कोई रुकावट न आए। कीरोन पोलार्ड ने भी एमआई एमिरेट्स की जीत के रास्ते में एक ओवर में 30 रन बनाए।

बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने के बाद, कैपिटल्स ने शुरुआती तीन ओवरों में चार चौके लगाए। लेकिन, चौथे ओवर में गजनफर द्वारा स्पिन गेंदबाजी शुरू करने के बाद रनों की गति धीमी हो गई। यह शाकिब अल हसन थे जिन्होंने दूसरे छोर से शयान जहांगीर का विकेट लेकर सफलता दिलाई, इससे पहले कि गजनफर ने अपने दूसरे ओवर में अपने अफगान समकक्ष सेदिकुल्लाह अटल का विकेट लिया।

स्पिन काम कर रही थी, इसलिए एमआई एमिरेट्स ने डैन मौसली को गेंद सौंपी, जिन्होंने ओवर में पहले ल्यूस डू प्लोय के रन आउट होने के बाद रोवमैन पॉवेल का विकेट लिया। अरब गुल मोमंद ने जॉर्डन कॉक्स का बड़ा विकेट लिया, जिससे कैपिटल्स आधे रास्ते में 53 रन पर 5 विकेट पर थी। नए बल्लेबाज जेम्स नीशम अपनी तेज 21 रनों की पारी में तीन चौकों के साथ अच्छे फॉर्म में दिखे, इससे पहले कि उन्होंने गजनफर को कैच दे दिया। इसके बाद अफगान गेंदबाज ने उसी ओवर में डेविड विली को आउट कर दिया, जिससे कैपिटल्स 84 रन पर 7 विकेट पर थी।

मोहम्मद नबी और स्कॉट करी ने आठवें विकेट के लिए 28 रन जोड़े, जिससे कैपिटल्स 100 रन के पार पहुंची और 122 रन पर 8 विकेट का सम्मानजनक स्कोर बनाया। एमआई एमिरेट्स के लिए चेज की शुरुआत शानदार तरीके से हुई। मुहम्मद वसीम ने विली के पहले ओवर में 18 रन बनाए, जिसके बाद आंद्रे फ्लेचर ने उनके दूसरे ओवर में 14 रन बनाए। कैपिटल्स ने दूसरे ओवर में ही स्पिन गेंदबाजी शुरू कर दी, लेकिन दूसरे छोर पर विली के खिलाफ हमले के बाद एमआई एमिरेट्स अधिक सतर्क रहने का जोखिम उठा सकती थी। हैदर ने सातवें ओवर में वसीम को आउट किया।

जिम्नास्टिक्स सीनियर प्रतिस्पर्धाओं में वर्चस्व

जयपुर, 28 दिसंबर। राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के तत्वाधान में जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर द्वारा आयोजित राजस्थान राज्य आल एज ग्रुप रिदमिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता के जोधपर की बालिकाओं ने अंडर10, जूनियर, सबजूनियर व सीनियर प्रतिस्पर्धाओं में अपना वर्चस्व बनाया। आज समापन मुख्य अतिथि पुष्प सिसोदिया, उपायुक्त नगर निगम; विशिष्ट अतिथि सुमित्रा पंवार, रूपमती देवड़ा, मनोहर सिंह परिहार, नरपत सिंह सांखला; महेश व्यास, प्रीति परिहार (सीए) द्वारा दोपहर 02:00 बजे समारोहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. शक्तिसिंह रावलोत ने बताया कि राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ द्वारा इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी सुश्री मेहल जैन व अंतर्राष्ट्रीय निर्णायकण सुश्री संस्कृति सोनी, सुश्री शिल्पी डिडवानिया, विशाल मिश्रा व प्रशांत गिरी का अन्तर्राष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

वेबस्टर, इंगलिस बीबीएल खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज

सिडनी, 28 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को होबार्ट के लिए बिग बैश लीग में खेलने के लिए टीम से रिलीज कर दिया गया है। जोश इंगलिस, जिन्हें रैपिड-फ़ायर बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए बाहर कर दिया गया था, वे भी बीबीएल में वापसी करेंगे और पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट से पहले पर्थ के लिए खेलेंगे। अपने बीबीएल मैचों के बाद, दोनों खिलाड़ी 4 जनवरी से एससीजी में शुरू होने वाले नए साल के टेस्ट की तैयारी के लिए सिडनी में ऑस्ट्रेलिया टीम में फिर से शामिल होंगे। इस साल सात टेस्ट खेलने के बाद, वेबस्टर को पर्थ में एशेज के शुरुआती मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया से बाहर रखा गया था और वह टीम में वापस नहीं आ पाए हैं। लेकिन इस सीरीज के दौरान कैमरून ग्रीन के बल्ले से बार-बार फेल होने के कारण वेबस्टर के पास अपनी जगह वापस पाने का एक अच्छा मौका दिख रहा है।

ब्रेट ली ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल

मेलबर्न, 28 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को खेल में उनके शानदार योगदान के लिए ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया है। यह घोषणा ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फ़ेम के चेयरमैन पीटर किंग ने की, जिन्होंने ली के असर की तारीफ़ करते हुए उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे खतरनाक और सम्मानित पेस बॉलर में से एक बताया। ली का इंटरनेशनल करियर शानदार रहा, उन्होंने वन-डे इंटरनेशनल मैचों में 380 विकेट और ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी फ़ॉर्मेट में शानदार 718 विकेट लिए।

ली ने 76 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया, और 30.81 के औसत से 310 विकेट लेकर देश के आठवें सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, जिसमें 5/30 और 10 बार पांच विकेट लेना उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा। वनडे में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहा, 221 मैचों में 23.36 की औसत से 380 विकेट लेकर वे ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, साथ ही 14 बार चार विकेट और नौ बार पाँच विकेट भी लिए। टी20 में, ली ने 25 मैचों में 25.50 की औसत से 28 विकेट लिए।

सभी इंटरनेशनल फ़ॉर्मेट में, ली ने 322 मैचों में 718 विकेट लिए, जिससे वे ऑस्ट्रेलिया के कुल मिलाकर चौथे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने यह 26.66 की शानदार औसत से हासिल किया, जिसमें उनके नाम 31 बार चार विकेट और 19 बार पाँच विकेट शामिल हैं। निचले क्रम के एक उपयोगी बल्लेबाज के तौर पर, उन्होंने 212 पारियों में 18.94 की औसत से 2,728 रन बनाए, जिसमें आठ अर्धशतक और 64 का उच्चतम स्कोर शामिल है। अपने करियर के दौरान, ली ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन बड़े आईसीसी खिताब जीतने वाले अभियानों का हिस्सा थे, जिसमें 2003 में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप और 2006 और 2009 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीत शामिल है।

पाक ने श्रीलंका सीरीज के लिए नई टी-20 टीम की घोषणा की

लाहौर, 28 दिसंबर। पाकिस्तान ने सात फरवरी से शुरू होने वाले पुरुष टी-20 विश्व कप की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए सलमान अली आगा की अगुवाई वाली नई टी-20 टीम की घोषणा की है जिसमें कई सीनियर खिलाड़ी शामिल नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार पूर्व कप्तान बाबर आजम, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ऑस्ट्रेलिया की घरेलू बिग बैश लीग में अपने कमिटमेंट्स के कारण श्रीलंका सीरीज नहीं खेलेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में अनकैप्ड कीपर-बल्लेबाज ख्वाजा नफे को 15 सदस्यों वाली टीम में पहली बार शामिल किया गया है। नफे के साथ वापसी करने वालों में ऑलराउंडर शादाब खान भी हैं। सलमान अली आगा को कप्तान बनाए रखा गया है। क्योंकि पाकिस्तान विश्वकप से पहले कॉम्बिनेशन का आकलन करने और अपने कोर ग्रुप को फाइनल करने का प्रयास कर रहा है। श्रीलंका दौरे को छोटे खिलाड़ियों के लिए चयन का दावा करने के एक अहम मौके के तौर पर देखा जा रहा है।

'मन की बात' में भारत की ऐतिहासिक खेल सफलता की तारीफ

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने महीने के रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 129वें एडिशन में देश को संबोधित करते हुए भारत की खेल उपलब्धियों पर जोर दिया।

2025 को भारतीय खेलों के लिए एक यादगार साल बताते हुए, प्रधानमंत्री ने अलग-अलग डिसिप्लिन और फ़ॉर्मेट में एथलीटों की सफलता की तारीफ़ की। उन्होंने कहा, "2025 खेलों के लिहाज से भी एक यादगार साल था। हमारी पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप जीता। भारत की बेटियों ने महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया।"

पीएम मोदी ने कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन में भारत की सफलता के बारे में भी बात की, और कहा कि भारत के एशिया कप टी20 टाइटल जीतने के बाद राष्ट्रीय तिरंगा गर्व से लहराया। उन्होंने भारतीय पैरा-एथलीटों की उपलब्धियों की भी तारीफ़ की, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में कई मेडल जीते। प्रधानमंत्री ने भारतीय खिलाड़ियों की हिम्मत और बेहतरीन काम की भावना को दिखाते हुए कहा, "वर्ल्ड चैंपियनशिप में कई मेडल जीतकर, हमारे पैरा-एथलीटों ने साबित कर दिया कि कोई भी रुकावट उनके पक्के इरादे को नहीं रोक सकती।" भारतीय खेलों में 2025 में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला, जिसमें ओलंपिक, पैरालंपिक और नॉन-ओलंपिक खेलों में सफलता मिली।

पुरुषों की क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती, जिससे लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट में भारत का दबदबा और पक्का हुआ। जबकि महिलाओं की टीम ने अपना पहला आईसीसी महिला वर्ल्ड कप खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। पैरा स्पोर्ट में, भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने पहला महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीता, यह एक बड़ी कामयाबी थी जिससे देश में ब्लाइंड महिलाओं के खेल की पहचान काफी बढ़ गई।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दो बड़े अंतर्राष्ट्रीय पदक जीतकर किया वर्ष 2025 का सफल समापन

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दो बड़े अंतर्राष्ट्रीय पदक सुल्तान ऑफ जोहोर कप में रजत और एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु में कांस्य जीतकर वर्ष 2025 का समापन एक बहुत ही सफल साल के तौर पर किया। पूरे साल पीआर श्रीजेश के मार्गदर्शन में कई गहन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से कोच ने एक टीम बनाई और खिलाड़ियों को दिसंबर में जूनियर विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया। भारत की प्रतिस्पर्धी तैयारी जून में चार देशों के टूर्नामेंट से शुरू हुई, जो अच्छी यूरोपीय टीमों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण तैयारी का अवसर था। मेजबान जर्मनी के साथ-साथ स्पेन और ऑस्ट्रेलिया का सामना करते हुए, भारतीय जूनियर टीम ने बड़ी टीमों के खिलाफ अपनी योजना परीक्षण किया और टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रही। उन्होंने अक्टूबर में 2025 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में उसी लय और सीख को आगे बढ़ाया, जहाँ भारत ने रजत पदक जीतने के लिए एक मजबूत और लगातार प्रदर्शन किया। टीम ने ग्रेट ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और मलेशिया पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और पाकिस्तान के साथ 3-3 से ड्रॉ भी खेला और लीग चरण में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में पहुंची। खिताबी मुकाबले में, भारत ने 59वें मिनट में एक दुर्भाग्यपूर्ण गोल खाया और ऑस्ट्रेलिया से 1-2 से हार गई और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह सारी तैयारी टीम को एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 तक ले गई, जो सीजन का सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था, जहाँ भारत ने घरेलू धरती पर एक यादगार अभियान चलाया। भारत ने पूल चरण में क्रमश: चिली, ओमान और स्विट्ज़रलैंड पर तीन आसान जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया। क्वार्टर-फ़ाइनल एक निर्णायक पल साबित हुआ, क्योंकि भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और शूटआउट में बेल्जियम को 4-3 से हराकर सेमी- फाइनल में जगह बनाई। गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने शूटआउट में दो अहम बचाव करके शानदार क्लास और हिम्मत दिखाई, जिससे भारत टूर्नामेंट में आगे बढ़ सका। दुर्भाग्य से, भारत सेमी-फाइनल में चैंपियन जर्मनी से 1-5 से हार गया, लेकिन तीसरे/चौथे स्थान के प्लेऑफ में टीम ने शानदार वापसी करते हुए अर्जेंटीना के खिलाफ अविश्वसनीय प्रदर्शन किया और कांस्य पदक हासिल किया। चौथे क्वार्टर तक दो गोल से पीछे होने के बावजूद, भारत ने मैच के आखिरी 15 मिनट में अपना सब कुछ लगा दिया और लगातार चार गोल करके मैच को अपने नाम किया और साल का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय पदक जीता। मनमीत सिंह छह गोल के साथ भारत के सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि शारदानंद तिवारी और दिलराज सिंह ने पांच-पांच गोल किए। जैसे-जैसे साल आगे बढ़ा, भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एक स्थिर और आत्मविश्वासी टीम के रूप में सामने आई। कई खिलाड़ियों ने अहम पलों पर शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान रोहित पूरे सीजन में एक प्रभावशाली कप्तान के रूप में उभरे और साथ ही उन्होंने अपनी ड्रैगफ्लिकिंग स्किल्स को भी बेहतर बनाया, जो अहम मैचों में एक मुख्य हथियार बन गया। आक्रमण में, दिलराज सिंह और अर्शदीप सिंह ने लगातार गोल किए, जिससे भारत को फॉरवर्ड लाइन में बढ़त मिली। डिफेंस में, प्रिंस दीप सिंह एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में परिपक्व हुए, उन्होंने ज़्यादा दबाव वाली स्थितियों में भी शांत प्रदर्शन किया, जबकि अनमोल एक्का टीम के इंजन के रूप में उभरे, उन्होंने मिडफील्ड से खेल को नियंत्रित किया और डिफेंस को आक्रमण से जोड़ा। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में कांस्य पदक और 2025 सुल्तान ऑफ़ जोहोर कप में रजत पदक के साथ, इस सीजन में न केवल नतीजे मिले, बल्कि हॉकी इंडिया के विज़न के तहत भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रखी गई है।